|  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| VOL. XIV |  | montreal, fumay, aUgust |  | o. 1. |
|  | 'It's a long time now suce I heard you play, Mass Hennessy,-won't you <br> pending Maurice's retcrn ?", was the chearful swer, though the round rich voice trembled a rery line. Sereral pieces were played-noisy, showy pieces, too, and then Mary turned with an |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | senlority on the part of the noble widow. Her ladyship seemed to bave taken a fancy to ber |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | mine |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | ture, pretty and gentle, but a dreadful bore on |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | Mother, thoug 1 S sometimes thike thal Emmid |  |  |
|  |  | far as such a mere child can bare them.' <br> ' Well! of course I cannot say', obserced |  |  |
|  |  | 'Well! of course I cannot say,' observed Harriet, as of to fill up the pause, 'what resem" |  |  |
|  |  | blance Lady Emma bears to her mosher, but Ithink her on the whole, an amiable chid, though |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | ' TThe worst of it is, howerer,', resumed Lady |  |  |
|  |  |  |  |  |
| apologize, Mary-Miss Hennessy, I mean, forinterrupting: your siudies. May 1 ask what you interrupting: you were rending?" | The Tempie was built, and ohe now only wanted ' Just like you, Mary! |  |  |  |
|  |  | there was in the one over the forming of which |  |  |
|  |  | - Does your Iadsstip really think so? I sncerely hope you will find yoursell mistaken.? |  |  |
|  | $\begin{aligned} & \text { A Friendstip the fairest his art could invent, } \\ & \text { But so cold and so dull, that the youthfuladorer } \\ & \text { Saw plainly thio was not the god that she meant.', } \\ & \text { 'Just like gou, Mary!? } \end{aligned}$ | ( Possibly I may, but I fear-oh! I rery much fear. It is true Lady Jane de Monlford (theg'r |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | an old Norman fanily, that of the Marquis-) is a beauty and somewhal of a a |  |  |
|  |  | great recommendatuon, I Ihnk, for a moman-I eni love any one,-- but-but -I fear ste is no the wouna to make hm happ-10 ine fneer <br>  $\left.\right\|_{\text {tone }} ^{\text {Lepp }}$ |  |  |
| Iy Yar y ytrange, indeed! said Moran, so absent Iy uar Mary smied, but the greater his abst:ac one subjecitit io mopother, if the the zain lope of drame <br>  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |

